संवेग
EMOTION

B.A - I - (H)
PAPER - I

संवेग भी एक भावात्मक प्रक्रिया है जिसका प्राणी के जीवन में बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। संवेग अंग्रेजी के 'Emotion' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है। 'इमोशन' शब्द की उत्पत्ति लैटिन के इमोवर शब्द से हुई है, जिसका अर्थ उत्तेजित करना या भड़का देना है। अतः व्युत्पत्ति के आधार पर संवेग से तात्पर्य प्राणी के अवस्थाविशेष से है जिसमें प्राणी उत्तेजित होकर जोशपूर्ण व्यवहार का प्रदर्शन करता है।

संवेग की संक्षिप्त परिभाषा देना कठिन है, क्योंकि संवेगात्मक तथा असंवेगात्मक व्यवहारों के बीच स्पष्ट अंतर कर पाना कठिन है। साथ ही, किसी एक संवेग का दूसरे संवेगों के बीच भी स्पष्ट अंतर करना दुष्कर है, क्योंकि जिस प्रकार रंगपट्ट पर विभिन्न रंग एक दूसरे से मिले हुए होते हैं उसी प्रकार विभिन्न संवेग, जैसे :- क्रोध, भय, ईर्ष्या, प्रेम, घृणा आदि एक-दूसरे के साथ इस प्रकार मिश्रित हो जाते हैं कि अलग-अलग करना प्रायः दुःसाध्य हो जाता है।

उपर्युक्त कठिनाइयों के बावजूद, मनोवैज्ञानिकों ने और खासकर शरीरशास्त्रियों अनेक प्रकार के संवेगों का अध्ययन कर प्राणी में होनेवाले परिवर्तनों को पहचानने की कोशिश की है तथा संवेग की परिभाषा देने की भी चेष्टा की है।

1. कुल्पे (Kulpe) :- "संवेग भाव एवं शारीरिक संवेदनों का संश्लेषण है।"

2. हॉफडिंग :— "सुख-दुःख की उत्पत्ति के कारणों के साथ संबद्ध करके संवेग को परिभाषित किया जा सकता है।"

3. सली :— "संवेग ऐंद्रिक एवं भावात्मक प्रवृत्ता की लय की अवस्था का प्रतिनिधित्व करनेवाले विषयों का पुंज है।"

4. वार्ड :— "संवेग पूर्णरूपेण मनोविकृति की अवस्था है जिसमें संज्ञानात्मक, सुख-दुःखात्मक भाव तथा क्रियात्मक क्रांतियाँ सन्निहित होती है।"

5. वुडवर्थ :— "प्राणी की उत्तेजित होने की स्थिति को संवेग कहते हैं।"

6. वाटसन :— "संवेग एक प्रकार का अनुप्रकार व्यवहारों का प्रतिरूप है जिसमें संपूर्ण शारीरिक तंत्रों और विशेषकर, अंतरावयवों व ग्रंथियों में भारी परिवर्तन होते हैं।"

7. यंग, पी० टी० :— "संवेग प्राणी में उत्पन्न पूर्णरूप से तीक्ष्ण विक्षोभ की अवस्था को कहते हैं जिसकी उत्पत्ति मनोवैज्ञानिक कारणों से होती है तथा जिसमें व्यवहार, चेतन अनुभव और अंतरावयवों की क्रियाएँ सम्मिलित रहती हैं।"

उपर्युक्त सभी परिभाषाओं में पी० टी० यंग द्वारा दी गई परिभाषा सबसे उपयुक्त है।

Next day.

Hrishi Kesh lal
Deptt - Psychology.
B.M.C. Rahika